हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 28 अप्रैल 2025

तापमान
अधिकतम 43.0 डिग्री
न्यूनतम 17.6 डिग्री

11 भागवत कथा के श्रवण से मनुष्य के जन्म-जन्मों

12 दुकानदारों की दादागिरी, सड़क पर सामान ...

शहर में आज
- अंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन।
- रोडवेज डिपो में कर्मियों की मीटिंग।

खबर संक्षेप

गांधी कैंप में मकान से कैश चोरी, केस दर्ज
रोहतक। गांधी कैंप के मकान से कैश सहित अन्य सामान चोरी कर लिया गया। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार, पुलिस को दी शिकायत में हरीश भुटानी ने बताया कि 24 अप्रैल को वह दिल्ली गया था। दो दिन बाद वापिस आए तो मकान का ताला टूटा हुआ मिला। मकान में रखा सामान बिखरा पड़ा हुआ था। चोर मकान से करीब 18 हजार रुपये चोरी कर ले गए। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महम आईटीआई में रक्तदान शिविर आज
महम। भारत विकास परिषद् की स्थानीय शाखा द्वारा महम के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में सोमवार 28 अप्रैल को सुबह 10 बजे स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। पार्षद बोबी गोयल ने बताया कि यह रक्तदान शिविर दोपहर दो बजे तक चलेगा। शिविर में महंत सतीश दास बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। एसडीएम दलबीर सिंह फोगाट समारोह के विशिष्ट अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर जयबीर मुदगिल करेंगे।

कार बेचने के नाम पर धोखाधड़ी
रोहतक। व्यक्ति के साथ कार बेचने के नाम पर भी धोखाधड़ी कर दी गई। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। थाना बहुअकबरपुर को दी शिकायत में सन्नी ने बताया कि वह प्राइवेट नौकरी करता है। उसे घर की जरुरत के लिए गाड़ी की जरुरत थी। उसने ओएलएक्स पर एक कर सर्च की। मोबाइल नम्बर पर संदेश भेजा तो उसके पास गोपाल कृष्णा के नाम पर एक लिंक आया। जिसमें सेना का नाम भी लिखा हुआ मिला। उस लिंक पर वहीं गाड़ी का फोटो दिखाई दे रहा था। जिसकी कीमत 45 हजार लिखी गई थी। उनकी आरोपी से बातचीत शुरू हुई और उसने सेना का पत्र बनाकर भेजा।

दो युवक अवैध हथियार सहित गिरफ्तार
रोहतक। पुलिस की सीआईए-2 स्टाफ की टीम ने अलग-अलग स्थानों से दो युवकों को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया। आरोपियों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत केस दर्ज कर छानबीन की गई। प्रभारी सीआईए-2 स्टाफ उप निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि एएसआई मनोज के नेतृत्व में टीम गांव भालौठ बस स्टैण्ड के पास गश्त में मौजूद थी। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुये सोनीपत रोड बलियाना मोड़ के पास से युवक को शक के आधार पर काबू किया गया।

आर्यंस बॉक्सिंग स्पोर्ट्स क्लब ने जीते 4 गोल्ड

रोहतक। ग्रेट नोएडा में 28 अप्रैल तक खेली जा रही सातवीं यूथ नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में आर्यंस बॉक्सिंग स्पोर्ट्स क्लब सुनारिया रोड के 4 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इन सभी ने गोल्ड मेडल जीतकर क्लब का नाम रोशन किया। 50 किलो में आकाश बुधवार, 60 में शुभम, 75 में राहुल कुंडू और 80 किलोग्राम में लोकेश ने स्वर्ण पदक जीता। कोच संजीव कुमार ने बताया कि चारों खिलाड़ी अपने मुकाबले एक तरफा जीते हैं।

जिले में दो जगह आग ने तांडव मचाया, दिनभर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां दौड़ती रहीं
हिसार रोड पर बिजली के सामान के गोदाम में आग और सांपला के कई गांवों में 60 एकड़ में फानें जलने से हड़कंप

- करीब डेढ़ करोड़ के गोदाम में रखे बिजली का सामान जलने से हुआ नुकसान
- सांपला के 8 गंवों में दो दिन से लग रही है आग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिले में दो जगह आग ने तांडव मचाया। हिसार रोड पर स्थित एक गोदाम में रात के समय आग लग गई। जिससे गोदाम मालिक को करोड़ों का नुकसान हुआ। छह गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया गया जबकि सांपला के कई गांवों में 60 एकड़ में फानों में आग लगने की घटना से हड़कम्प मच गया। दिनभर फायर ब्रिगेड और पुलिस की गाड़ियां दौड़ती रही। हवा चलने के कारण कई गांवों में आग की घटनाओं की संख्या बढ़ी।

दो घंटे के बाद काबू
हिसार रोड पर स्थित एक घरेलू बिजली उपकरणों के गोदाम में करीब साढ़े तीन बजे अचानक आग लग गई। आसपास के लोगों ने गोदाम से आग का धुंआ उठते देखा तो पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। पड़ोस में स्थित गोदाम के मालिक ने गोदाम में लगने की सूचना गोदाम मालिक को भी दी। आग की सूचना मिलते ही अग्निशमन को गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब दो घंटे में आग पर काबू पाया गया। अभी तक आग लगने का कारण का पता नहीं चल पाया है।

गोदाम में लगी आग

आग को बूझाते दमकल कर्मी

आग करीब डेढ़ करोड़ का नुकसान
गोदाम मालिक राजकुमार ने बताया कि उन्हें तो गोदाम में आग लगे होने की बात फोन पर बताई गई। वह मौके पर पहुंचे तो गोदाम में भयंकर आग की लपटे उठ रही थी। गोदाम में आग लगने का कारण तो नहीं पता चला, लेकिन गोदाम में बिजली का सामान था। आग लगने से एक से डेढ़ करोड़ का नुकसान हुआ है। वहीं अग्निशमन विभाग के अधिकारी ने बताया कि उन्हें जैसे ही हिसार रोड पर के गोदाम में आग लगने को सूचना मिली तुरंत मौके के लिए अग्निशमन की गाड़ी रवाना कर दी गई। जब मौके पर देखा कि आग ज्यादा है तो खेतों में आग बुझाने गई दूसरी गाड़ियों को भी बुलाया गया। आग पर काबू पाने के लिए छह गाड़ियां आई। तब जाकर आग पर नियंत्रण हो पाया। वहीं, एक गोदाम मालिक ने बताया कि हमनें साढ़े तीन बजे आग लगी देखी। आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग बढ़ती ही जा रही थी। अग्निशमन विभाग को तीन बजकर 35 मिनट पर काल किया गया। लेकिन अग्निशमन की गाड़ियां आने में काफी समय लग गया जिसकी वजह से और नुकसान बढ़ गया।

सांपला: 8 गांवों में हवा की वजह से फैली आग, दमकल की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया
हरिभूमि न्यूज ▶▶| सांपला

इलाके में आग का तांडव देखने को मिला। शाम ढहते ही फायर बिग्रेड व पुलिस के पास कहीं न कहीं से आग लगने के फोन आ रहे हैं। दो दिन के अंदर गांव के खेतों में आग लगने से 60 एकड़ गेहूं के फसल अवशेष जलकर राख हो गए। इसके अलावा ट्यूबवेल इंजन, मोटर व पशु चारे के लिए बोई गई ज्वार व पेड़ जलने की सूचनाएं हैं। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया जा सका। जब तक आग पर काबू पाया गया तब तक कई एकड़ गेहूं फसल के अवशेष जलकर राख हो गई। आग लगने के कारणों का पता नहीं लग पाया। जानकारी के मुताबिक, नेशनल हाईवे नंबर 9 बहादुर गढ़ की तरफ़ एक ढाबे के पास गेहूं के अवशेषों में आग लग गई। जो फैलते हुए करीब 22 एकड़ में फैल गई। आग की वजह से एक किसान का खेत में रखा ट्यूबवेल इंजन व एक बिजली मोटर जल कर राख हो गई। इसके अलावा गिझी सांपला मार्ग पर भी कई एकड़ अवशेष जल गए। इस दौरान हाल में उगी ईंख की फसल व सड़क पर लगे पेड़ झुलस गए। गिझी -भैंसर मार्ग पर अवशेष के पशु चारे के लिए बोई गई ज्वार जल गई। इसके अलावा समचाना ,दतौड, अटायल सहित कई गांव में अवशेष जलने की सूचनाए हैं। किसानों ने बताया कि जैसे ही उन्हें फसल अवशेषों में आग लगने जानकारी मिली तो उन्होंने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने प्रयास किया। आग की लपटें इतनी तेज थी कि तेज हवा ने उसे और प्रचंड कर दिया। फायर ब्रिगेड का कहना कि पिछले तीन-चार दिन से आग की घटना बढ़ी हैं। रात को नेशनल हाईवे के साथ खेतों में व पाकस्मा , इस्माईला, गांधरा, गिझी, दतोड़, अटायल ,भैंसरु सहित कई गांव में आग लगने की काल आई है। ज्यादातर आग की घटनाएं शाम होने के बाद हो रही है।

आग की उठतीं लपटें

गोहाना मोड़ के पास सीवर जाम गंदगी हटाने पर दुकानदार भिड़े
जानलेवा हमले में दो दुकानदार घायल, पीजीआई में भर्ती

- चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज, पुलिस कर रही जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

गोहाना मोड़ के पास अक्सर सीवर जाम रहते हैं। जिस वजह से दुकानदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कुछ दिन पहले यहां धवन फर्नीचर के सामने सीवर लाइन जाम पड़ी थी और गंदगी ऑवर फ्लो होकर सड़क पर बह रही थी। रोहतक रोड पर अनाज मंडी के सामने भी सीवर लाइन ज्यादातर समय जाम रहती है। अब फिर से गोहाना मोड़ के पास रोहतक रोड पर सीवर लाइन जाम हो गई। यहां वाहनों को ठीक करने वाले मिस्त्रियों की कई दुकानें हैं। एक दुकान के पास सीवर लाइन जाम हो गई और सीवर का गंदा पानी दुकान के सामने आ गया। इसी गंदगी को हटाते समय एक दुकानदार की दूसरे दुकानदार के साथ कहासुनी हो गई और यह कहासुनी धीरे धीरे जानलेवा हमले में बदल गई। इस हमले में दो मिस्त्री घायल हो गए और चार लोगों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है।

अलग अलग शिकायत दर्ज
दो लोगों ने महम थाने में अलग अलग शिकायत दी हैं। एक शिकायत में कस्बा महम के वार्ड 13 में गोयत पाना निवासी संजय उर्फ बंटी ने बताया कि उसकी उम्र 45 साल है। उसने बंटी मोटर्स के नाम से दुकान कर रखी है। गत दिवस वह अपने साथी मिस्त्री अजय के साथ दुकान के आगे काम कर रहा था। अजय किशनगढ़ गांव का रहने वाला है। इस दौरान सड़क पर काफी मात्रा में गंदा पानी जमा हो गया था, क्योंकि वहां सीवर जाम हो गया था। वह इस पानी को नाले में करने लगा तो इसी बात को लेकर पड़ोसी महेंद्र मिस्त्री उसे गाली गलौच करने लगा और धमकी देने लगा। झगड़े से बचने के लिए वह और अजय वहां से जाने लगे। महेंद्र लोहे की रॉड लेकर उनकी ओर दौड़ा उसने रॉड से उस पर हमला कर दिया। उसने रॉड उसके सिर और कंधे पर दे मारी। उन्होंने अजय के कान पर भी चोट मारी।

रोहतक। राज्य स्तरीय कन्वेंशन को सम्बोधित करते नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री।

पालिकाओं, परिषदों, नगर निगमों व फायर कर्मचारी 20 मई को करेंगे हड़ताल
रोहतक। सरकार की उपेक्षा, तानाशाही, वायदा खिलाफी ओर शोषण के खिलाफ पालिकाओं, परिषदों, नगर निगमों व फायर के कर्मचारी 20 मई को करेंगे हड़ताल। यह ऐलान रविवार को कर्मचारी भवन में नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री की अध्यक्षता में आयोजित की गई राज्य स्तरीय कन्वेंशन में किया गया। कन्वेंशन का संचालन संघ के महासचिव मांगेराम तिगरा ने किया। संघ ने हड़ताल की सफलता के लिए 6 टीमों का गठन किया। टीम कर्मचारियों में 10 मई से 19 मई तक जनसम्पर्क अभियान चलाएंगी। नगर पालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री, महासचिव मांगेराम व अग्नि शमन विभाग के राज्य प्रधान राजेंद्र सिन्द ने कहा कि संघ 20 मई की हड़ताल में जाने से पहले 2 मई को काले झंड़े हाथों में लेकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

सांपला: गेहूं पिसवाने गया युवक लापता, नहर पर मिली बाइक
एनडीआरएफ की टीम ने नहर में सर्च अभियान चलाया
हरिभूमि न्यूज ▶▶| सांपला

हसनगढ़ निवासी एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। वह घर से बाइक पर गेहूं पिसवाने के लिए कहकर गया था, लेकिन वापिस नहीं पहुंचा। परिजनों को उसकी चिंता हुई तो वह उसकी तलाश में निकले। उसका मोबाइल नम्बर बंद हो गया और बाइक सड़क से नहर की तरफ मिली। परिजनों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस को शक है कि युवक कहीं नगर में न डूब गया हो। इस वजह से एनडीआरएफ की टीम को मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने दिनभर सर्च अभियान चलाया लेकिन युवक को कोई सुराग अभी नहीं मिला।

जानकारी के अनुसार, आजाद सिंह निवासी गांव हसनगढ ने बताया कि वह एमसीडी में में नौकरी करता है। उसके पास 3 बच्चे हैं। दो लड़की व एक लड़का है। लड़का तरूण 21 साल का है जिसने 12वीं की परीक्षा दी हुई। वह घर पर ही रहता है। वह शनिवार की शाम को चक्की पर गेहू रखने के लिए बाइक गया था। वह अब तक घर वापिस नहीं आया। उन्होंने तरूण की कई जगह तलाश की लेकिन उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाइ। इसके बाद वह उसकी तलाश करते- करते खुरमपुर रोड रिलाइन्स नहर के पुल पर पहुंचे तो वहां पर पुल से करीब 3-4 किले अंदर उसकी मोटरसाईकिल मिली है, जिसमे चाबी जो लगी हुई है। तरूण का मोबाइल बंद आ रहा है। युवक के लापता होने से परिजन सदमे में हैं।

की जा रही जांच

मामले की जानकारी मिली है। एनडीआरएफ की टीम के साथ नहर में सर्च अभियान चलाया, लेकिन अभी युवक का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। उसकी बाइक नहर के पास से बरामद की गई है। **-निकेश कुमार**, एएसआई

30 को अक्षय तृतीया पर्व | शुभ मुहूर्त पर बड़ी संख्या में विवाह का किया जाता है आयोजन

अक्षय तृतीया पर प्रशासन मुस्तैद, रोकेंगे बाल विवाह
हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अक्षय तृतीया/ आख्या तीज के अवसर पर लोगों द्वारा बड़ी संख्या में विवाह का आयोजन किया जाता है, जिसकी आड़ में लोगों द्वारा काफी संख्या में बाल विवाह किए जाते हैं। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जिला प्रशासन अलर्ट हो गया है।

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने बताया कि उन्होंने इस अवसर पर सामाजिक प्रथा अनुसार इस शुभ मुहूर्त पर लोगों द्वारा बड़ी संख्या में विवाह का आयोजन किया जाता है। इस दौरान लोगों द्वारा बाल विवाह भी करवाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि बाल विवाह को रोकने के लिए जागरूकता गतिविधियां लगातार आयोजित की जा रही है। इसके साथ ही बाल विवाह निषेध अधिनियम के बारे में जानकारी देते हुए बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में भी आमजन को जागरूक किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा है कि विवाह करवाने वाली धार्मिक संस्थाओं पर विशेष नजर रखी जा रही है। उपायुक्त खड़गटा ने कहा है कि बाल विवाह एक सामाजिक कुप्रथा है बल्कि बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के अनुसार कानूनन अपराध है। उन्होंने अक्षय तृतीया के अवसर पर 30 अप्रैल को विवाह करवाने वाले पुजारी, पाठी, गांव के पंच, सरपंच, नंबरदार व शहरों में नगर पार्षदों एवं सामुदायिक केन्द्र, सार्वजनिक भवन, बैंकट हाल, मैरिज पैलेस, धर्मशाला इत्यादि के मालिक, प्रभारियों कार्ड प्रिंटिंग, फोटोग्राफर, बैंड बाजा व टेंट हाउस आदि के संचालकों को निर्देश दिए गए है कि वे अपने क्षेत्र में आयोजित होने वाले विवाह समारोह के संबंध में पहले से दूल्हा व दुल्हन के आयु प्रमाण पत्रों की जांच कर लें व आयु प्रमाण पत्रों की एक प्रति अपने पास भी रखे। अपने क्षेत्र में बाल विवाह का आयोजन न होने दें। ऐसा पाए जाने पर इसकी सूचना प्रशासन को दें और बाल विवाह रोकना सुनिश्चित करें।

बाल विवाह अपराध: उपायुक्त

डीसी के मुताबिक विवाह के लिए लडकी की शादी की उम्र 18 वर्ष व लडके की शादी की उम्र 21 वर्ष निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व विवाह करना कानूनन अपराध है। नियम के तहत बाल विवाह के आयोजन में भागीदार सभी लोगों पर कानूनी कार्रवाई किए जाने का भी प्रावधान है, जिसके तहत 2 साल की जेल व एक लाख रुपये तक के जुर्माने का भी प्रावधान है। उन्होंने कहा है कि झूठी शिकायत करने वाले व्यक्ति के खिलाफ प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी। बाल विवाह के आयोजन के संबंध में सूचना समय रहते नजदीक के पुलिस थाना, चौकी में, आंगनवाड़ी वर्कर, डब्ल्यू सीडीपीओ, बाल संरक्षण अधिकारी, डीपीओ, महिला एवं बाल विकास, एसडीएम, बीडीपीओ, तहसीलदार, सीटीएम, पुलिस अधीक्षक व बाल विवाह निषेध अधिकारी व पुलिस कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 112, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, तथा महिला हेल्पलाइन नंबर 181 पर दी जा सकती है।

जयपुर में आयोजित शतरंज टूर्नामेंट में गौरव ने किया शानदार प्रदर्शन
रोहतक। चुनीपुरा कॉलोनी निवासी गौरव सैनी ने जयपुर (राजस्थान) में 23 से 27 अप्रैल तक आयोजित द्वितीय जयपुर ओपन क्लासिकल फाइट रेटेड शतरंज टूर्नामेंट में रोहतक व हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार खेल प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रतियोगिता में हर दिन दो-दो राउंड जीतते हुए फाइनल में जगह बनाई और फाइनल कंपटीशन में उन्होंने पूरे भारत में पांचवा स्थान प्राप्त किया। आयोजकों ने शतरंज खिलाड़ी गौरव को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र व 10 हजार रुपए नगद इनाम देकर सम्मानित किया। गौरव सैनी अपने कोच हिमांशु शर्मा के दिशा-निर्देशन में कड़ा अभ्यास करते हैं। गौरव ने कई बार जिला स्तर पर प्रथम स्थान और हरियाणा राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में भी मेडल जीते हैं। उनका अगला लक्ष्य राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करना है।

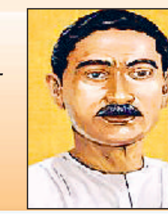

कभी-कभार वह देर रात तक घर लौटती थी। हमें उसके आने का बेसब्री से इंतजार रहता और सड़क की उतराई पर टकटकी लगाए घंटों देखते रहते, परन्तु बुआ नहीं आती। कभी छींका खाली मिला तो भूखे ही बैठे रहते, मौसी से रोटी माँगने की हिम्मत नहीं होती थी। कहते भी तो मौसी झिड़क देती थी- ''खाने का ही काम है। यहाँ कोई भंडारा खुला है- जब बने खा लेना।''

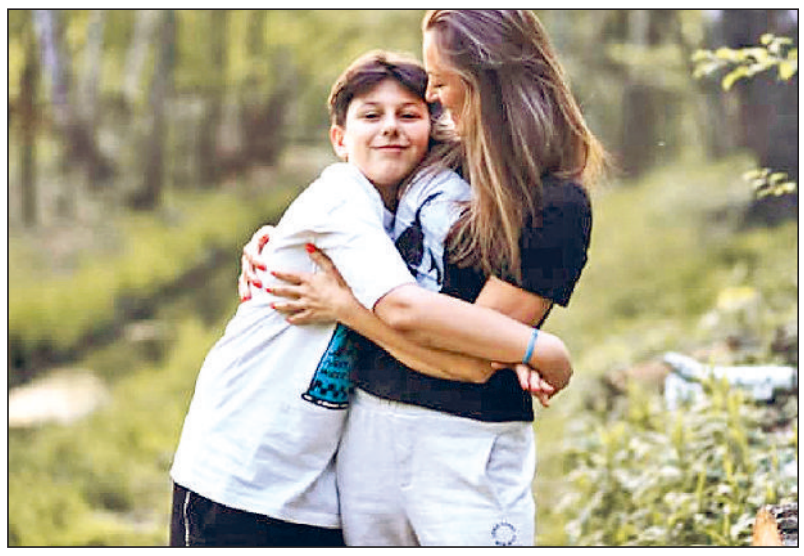

कहानी

डा. सुरेश वशिष्ठ

बुआ

मां की याद उभरती-ख्वाबों की तरह। मैंने उसे कभी देखा नहीं, फिर भी उसकी याद को दिल में सँजोए रहा हूँ। बुआ के पास उसकी एक तस्वीर देखी है, जिसे देखने पर दिल में ख्वाब जाग उठते थे और मैं दुलार की कामना में खोने लगता था। मौसी जब बखेड़ा कर बैठती तब लगता कि माँ होती तो यह होता ही क्यों, मौसी घर में आती ही क्यों? बापू दूसरी शादी करते ही क्यों। होनी को कौन टाल सकता है। माँ मरी तो मौसी आ गई। अपना भाग्य, दोष किसे दूँ? मुझे तो अपना जीवन जीना ही था। माँ के अभाव को बुआ ने महसूस नहीं होने दिया। फिर भी यह लगता ही था कि कहीं कुछ अधूरा है, वीरान है। कोई तड़प जगती और हम बुआ की गोद में मुँह घुसेड़कर रो दिया करते।

मेरी माँ बुआ को बहुत चाहती थी। उसकी मौत के समय मेरी उम्र एक माह की थी। भाभी के बच्चों को पालना ही बुआ ने अपना फर्ज समझा और ससुराल से अपना नाता सदा-सदा के लिए तोड़ लिया। बड़ी दो बहनों की शादी माँ के सामने हो गई थी। कौशल्या बची थी और एक मैं, जिसका बोझ बुआ के बेसहारा कंधों पर था। मौसी जब हमें लेकर कुहराम छेड़ती, तब बुआ अपनी गोद में हमें दुबका लेती और मौसी को भला-बुरा कहती, परन्तु वह थी कि समझती ही नहीं थी। बापू भी मौसी की ही तरफदारी करते थे। बुआ हमारे लिए उनसे कुछ लाने को कह देती तब मौसी बिफर उठती और हमें सौत का गोबर कहकर कोसा जाता था। बापू चुपचाप सब सुनते थे, लेकिन कहने को उनके पास कुछ नहीं होता था, और ना ही मौसी को उन्होंने कभी कुछ कहा।

मौसी के दोनों बच्चे खूब उत्पात मचाते और खुलकर हँसते-खेलते लेकिन हमारे कूदने और हँसने पर पाबन्दी थी। पड़ोस के मनहर काका के घर हमें खुलकर हँसने और खेलने की आजादी थी। वह काकी भी हमें बहुत चाहती थी। यह काकी मेरी माँ की सखी थी। बापू पहले ऐसे नहीं थे। माँ को बहुत चाहते थे और हमें भी बेहद प्यार करते थे, लेकिन यह सब माँ के सामने ही था।...अब जाने क्यों वे हम सभी से दूर रहने लगे थे। बुआ शादी के बीस वर्ष बाद भी माँ नहीं बन पाई थी। शायद कुदरत को यही मंजूर था। यह भी उन्होंने सोच लिया था कि बीस वर्षों में जब औलाद पैदा नहीं हुई तो अब कहाँ से होगी। फूफा दूसरी ब्याहता ले आये थे और उससे उन्हें चार बच्चे प्राप्त हुये। उनका घर-संसार बस गया। बुआ को यही बड़ी खुशी थी। अब शायद हमें ही पाल-पोसकर वह माँ की जगह बैठना मुनासिब समझने लगी थी। हमें रुआँसी आती तो वह छाती में हमें दुबका लेती और कहती--''मैं माँ ही तो हूँ ! पगला-- बौरा गया क्या?''

बुआ और हम सौतेली माँ के मोहताज थे। हालांकि बुआ स्वयं भी कमाती थी, और जुगाड़ नहीं हुआ तो बड़ी बहनों की ससुराल खबर कर देती, परन्तु हमें किसी चीज से निसारा नहीं रखती थी। लाली हमें लुभा-लुभा कर बाजार जाती थी। मौसी की इस लड़की को ना जाने क्यों- हमें लुभाने में बड़ा मजा आता था। मौसी उसे प्यार करती, दुलारती और हमें सुनाती हुई पैसे देकर बाजार भेजती। कहती--'कुछ लेकर खा लेना।' उस समय बुआ का मन गमगीन होने लगता था। कुछ-कुछ बुनता-सा और सूरत रोनी-सी, कभी हमें लगता भी था कि वह रो रही है। कभी वह मौसी को समझाती-''परसी की बहू, बच्चों से यह भेद अच्छा नहीं।...इन्हें भी कुछ ला दिया कर, खिला-पिला दिया कर ! परसी का ही खून है, ऐसा दुराव ठीक नहीं।'' तब मौसी होंठ बिचकाती और 'ऊहूँ' कह कुढ़ पड़ती थी।

हमें स्कूल पहुँचाकर बुआ निकट के ही गाँव में, काम पर चली जाती थी। हमें कह कर जाती- 'तुम्हारे लौटने तक आ जाऊँगी। स्कूल से सीधे घर आना, मौसी कुछ कहे तो जवाब नहीं देना। छींके पर रोटी रखी हैं--पूछकर खा लेना।'

कभी-कभार वह देर रात गए तक घर लौटती थी। हमें उसके आने का बेसब्री से इंतजार रहता और हम सड़क की उतराई पर टकटकी लगाए घंटों देखते रहते, परन्तु बुआ नहीं आती। कभी छींका खाली मिला तो भूखे ही बैठे रहते, मौसी से रोटी माँगने की हिम्मत नहीं होती थी। कहते भी तो मौसी झिड़क देती थी। गुस्से से वह कहती-''खाने का ही काम है। हर समय खाना-खाना, यहाँ कोई भंडारा खुला है- जब बने खा लेना।'' उसका 'ऊहूँ' कहकर कुढ़ना अब तक हमें याद है। दोनों भाई-बहन चुप-चुप खरगोश से तांकते और कुछ बोलते नहीं थे। बुआ काम से लौटकर पूछती-- 'खाना खाया?' तो हम झूठे ही हामी भर देते। कौशल्या कहने लगती- 'देर से क्यूँ आती हो बुआ?' तब वह कहती-'किसी दिन काम देर तक होता है तो देर हो ही जाती है।' मौसी हँस पड़ती और आँखें नचाकर चिढ़ाती--'जनना तो रहा नहीं, पोसने चली है।...मालूम नहीं कहाँ-कहाँ मरती फिरती है।' बुआ केवल घूरती-कुछ कहती नहीं। माँ के मरने से ही बुआ को यह सब सुनना पड़ रहा था। काकी बताती है- 'कभी तेरी माँ ने बुआ को इतना नहीं कहा। इज्जत भी दी और सब्र भी।'और मेरी मौसी, उसे तो बुआ फूटी आँख भी नहीं सुहाती। एक रोज बुआ बहुत उदास दिखाई दी। शायद जी-भर वह रोई भी थी। उस दिन वह खेत में हमें अपने साथ ले गई। जीजी ने पूछा-''बुआ, तुम्हें मौसी क्यों जली-कटी सुनाती है, वह घर क्या तुम्हारा नहीं?'' तिस पर वह बोली--'तू कुछ नहीं सोच...फिर मुझे ही तो कोसती है।' और इतना कहकर, हमें अंक में भर वह दहला देने वाली हूक के साथ रो पड़ी थी। उसे यूँ रोता देख हम भी रोने लगे थे। रोते-रोते जब थक गये, तो बुआ ने साग तोड़ा और पास बैठाकर हमें दिलासा देने लगी-''तुम कुछ ना सोचा करो। सोचने को मैं जो हूँ।...मुन्नू बड़ा होगा तब हमारा अपना घर बनेगा। वहाँ कोई कुछ कहने वाला नहीं होगा।''

मुझे दुलार कर कहने लगी-''तू जल्दी बड़ा हो जा मुन्नू...तुझे नौकरी लगवाऊँगी और ठाठ से तेरा ब्याह करूँगी...तब होगा अपना घर।'' वह सब सहना हमारी नियति थी। हमें अच्छे-बुरे का ख्याल होने लगा था और हम अनचाहे समय को पीछे धकेलने लगे थे। समय को पंख लगाकर उड़ा देने की लालसा थी हमारी।

मैं सोचने लगता था-''नौकरी पर खड़ा हो जाऊँगा तो बुआ को आराम दूँगा। बहुत पीड़ा सही है बुआ ने, बापू तो हमारी खैर-खबर कभी लेते ही नहीं । बुआ ना होती तो क्या होता- सोचकर भी डर लगने लगता है।'' समय बीतता रहा और हम बड़े होते रहे।

कौशल्या का चौहदवाँ साल बीत रहा था। एक रोज उसने कहा--''स्कूल नहीं जाऊँगी। तुम मजदूरी करती हो ना, मैं भी करूँगी।'' तब बुआ बिफरी--''चुपकर ! सीधे स्कूल चली जा, दो किलास पास कर लेव तो तेरा ब्याह रचा दूँ।'' कौशल्या जिद करने लगी। बुआ को गुस्सा आ गया और उसने एक जोरदार थप्पड़ कौशल्या के मुँह पर जड़ दिया। गाल सुर्ख हो गया। उसकी थकी-सी आँखों से चुप-चुप आँसू चूने लगे। बुआ भी सुबक पड़ी। सहमी-सहमी नजरों से कौशल्या उसके रोने को देखती रही और फिर उसके घुटनों में दुबककर सिसकने लगी। जीजी ने फिर मजदूरी पर जाने को कभी नहीं कहा। एक रोज मौसी और बुआ में जोरदार झगड़ा हुआ। मौसी ने हमारे गूदड़ फेंक दिये और बुआ को घर की कच्ची कोठरी में रहने को ढकेल दिया। बापू ने सब देखा पर अनजान बने रहे।

उस शाम, दरवाजा खुला था। भीतर गहरा सन्नाटा व्याप्त था। बाती तक नहीं जली थी। मुझे चिंता हुई-''क्या बुआ घर में नहीं है? बाती क्यूँ नहीं जलाई...कहीं बुआ बीमार तो नहीं?'' मन घबराने लगा था। तेज-तेज कदमों से मैं भीतर पहुँचा। बुआ को आवाज दी।

तब के बाद हम वहीं रहने लगे। बुआ सुबह काम पर जाती और देर संध्या तक घर लौटती। जीजी घर का काम सँभालती। स्कूल जाने तक और स्कूल से लौटने तक सब काम निपटा लेती। कच्ची कोठरी में हम पहले से सुखी थे। वहाँ आनन्द ही आनन्द था। अपना मन और अपनी खुशी थी। गरीब हुये तो क्या हुआ-खुलकर हँस तो सकते थे। रोने पर भी कोई पाबन्दी नहीं थी। अब बुआ को भी हम पहले सी चुप-चुप और गमगीन नहीं देखते थे। लेकिन बुआ काम से थकी-थकी घर लौटती और नींद में कुहुलती थी। समय बीतता गया और जीजी ने दसवीं पास कर ली। तब, एक रोज--बड़ी जीजी व जीजाजी घर आए। उनके साथ दो औरतें भी थीं और एक पगड़ बाँध बुड्ढा भी। वह कौशल्या को देखने आये थे। बड़े जीजा के रिश्तेदार थे और उन्हीं के कहने से बुआ ने यह रिश्ता पक्का किया था। रिश्ता तय हुआ तो बुआ ने राहत की साँस ली। शादी की तारीख पक्की नहीं हुई थी लेकिन बुआ बहुत प्रसन्न थी।

मैं उस वक्त आठवीं में पढ़ रहा था। बुआ का स्वप्न जाग उठने को आतुर था। उसे राहत मिल रही थी कि अगले दो वर्ष में मुन्नू दसवीं पास कर लेगा। कहीं नौकर होगा तो राहत की साँस लूँगी। वह अब खामोश नहीं रहती थी, खूब चिहुँकती थी और खुश रहती थी। कहती थी--''साल-दो साल की मेहनत है, मुन्नू सब सँभाल लेगा। सुख की नींद सोऊँगी और बहू से डटकर सेवा कराऊँगी। मेरा बेटा नौकर होगा तो घर भर को आराम देगा। बुढ़ापा आ गया है, अब आराम की साँस लूँगी। भाभी का कहा पूरा हुआ। मुझे सुख मिलेगा और उसकी आत्मा को शान्ति। परसी ने जो किया-वह भोगे। खैर ! अब दिन ही कितने हैं?''जीजी आज दुल्हन बनी है। आँगन में मंगल-गीत गाये जा रहे हैं। ढोलक, थापी और नाच-आनन्द! रस्म हुई और कौशल्या को डोली-सी सजी कार में लिए उसका दूल्हा अपने गाँव ले गया। गाँव भर ने जीजी को खूब कन्यादान दिया था। मौसी ब्याह में शामिल नहीं हुई और ना ही उसने बापू को हम तक आने दिया। बापू की जगह मनहर काका ने पूरी की। विदाई के समय जीजी काका के गले लगकर जी-भर रोई थी। काका ने कहा था-''रो नहीं बेटी, जिनके पिता नहीं--वे अनब्याही नहीं रहतीं और तेरे पास तो काका है, बुआ है, बड़ी बहनें और भाई है।...तू काहे रोती है।'' पराया धन पराया हो गया। बुआ को जब कभी उसकी याद आती तो वह मुझे गोदी में दुबका लेती और बिस्तर में पड़ रहती।

समय के साथ-साथ बुआ अब बुढ़ा गई थी। उसे चिन्ता थी-''जाने मेरे बाद मुन्नू का क्या होगा, कौन सम्भालेगा इसे? बुढ़ापा आ धमका, अब क्या भरोसा।''मैंने इसी साल मैट्रिक पास किया था। बड़े जीजाजी ने नगर पालिका में जुगाड़ देखा और मुझे नौकरी पर खड़ा कर दिया। बुआ को मानो कारू का खजाना मिल गया था। वह बड़े जीजाजी की तारीफ करती नहीं अघाती थी। वर्षों से जो स्वप्न देख रही थी, वह पूरा होने को था। अब यही तमन्ना बाकी थी कि 'मुन्नू का ब्याह रचा दूँ और सुन्दर-सी बहू मेरे आँगन में दिखाई दे।' बापू के प्रति कभी-कभार उसका विक्षोभ फूट पड़ता था और वह ना जाने उन्हें कितना कुछ कह जाती थी। मेरी माँ को वह अब तक भुला नहीं पाई थी।

मेरा वह इतना ख्याल रखती थी कि जरा-सा मुझे कुछ हुआ नहीं कि हिरनी-सी सहम जाती और अपने ही घर में बीमार-सी लगने लगती। मानो कोई खुशी उसके हाथों से निकली जा रही हो ! मेरे बाहर जाने पर चिन्तित हो उठती थी और मेरे लौटने तक फिक्र में ही कुढ़ती रहती। उस शाम, दरवाजा खुला था। भीतर गहरा सन्नाटा व्याप्त था। बाती तक नहीं जली थी। मुझे चिंता हुई--''क्या बुआ घर में नहीं है? बाती क्यूँ नहीं जलाई...कहीं बुआ बीमार तो नहीं?'' मन घबराने लगा था। तेज-तेज कदमों से मैं भीतर पहुँचा। बुआ को आवाज दी। सन्नाटा और गहरा महसूस हुआ। दीया जलाया तो देखा- लकड़ी के खम्ब से पीठ टिकाए बुआ मौन बैठी है। मन थर-थर काँपने लगा...कुछ शंका भी हुई। छूकर देखा- बुआ नहीं थी। बची थी सिर्फ माटी। सूखा तन-निढ़ाल। आँखें दरवाजे पर लगी थी, पूरी खुली हुई आँखें... मेरी ही बाट जोहती। हथेली से पलकों को मूँदा और बुआ की गोद में सिर रख फूट पड़ा। चीखने लगा मन। बुआ-बुआ पुकारता मैं तड़फने लगा था...लेकिन मेरी बुआ ने आँखें खोलकर एक बार भी मुझे नहीं देखा। बुआ कहूँ या माँ, जिसकी अर्थी को कन्धों पर उठाए चल रहा हूँ। पीछे रह गया बहनों का आंतर्नाद...मन के गह्नर में बुआ की जिन्दा छवि उभर आई जिसमें उसे कहते सुना-''मुन्नू सब सँभाल लेगा...सुख की नींद सोऊँगी मैं...बहू से डटकर सेवा कराऊँगी।'' मन चीख पड़ा- ''बुआ..!'' लेकिन बुआ तो नहीं बोली..।

कविता

कृष्ण लाल' गिरधर '

वक्त को वक्त नहीं लगता

वक्त चलता है अपनी चाल से उसे वक्त नहीं है।
मानव चलता है अपनी चाल से वह कमबख्त नहीं है।
वक्त ना देखे ऊंचा नीचा क्या वह सख्त नहीं है?
मानव भरा ऊंच-नीच से क्या वह कमबख्त नहीं है?

वक्त को वक्त नहीं है पर रहता है सावधान।
मानव वक्त के आगे झुकता खो देता है पहचान।
वक्त वक्त में वक्त बदलता, ना छोड़ेगा अपनी चाल।
मानव से गिरगिट शर्माए बदल बदल कर है बदहाल।

वक्त सभी को वक्त है देता, पहचान कराता वक्त पर।
उस मानव को सबक सिखाएं जो जीता दूजे के हक पर।
वक्त को वक्त नहीं लगता, वो वक्त पर बतलाता है।
जो मानव वक्त चूक गए , वक्त लौट ना आता है।

वक्त नहीं गुलाम किसी का अपनी इसकी है रफ्तार ।
वक्त के आगे सभी नतमस्तक, करता सभी से सम व्यवहार।
वक्त को वक्त नहीं लगता, छुड़वा देता है घर बाहर।
वक्त को वक्त नहीं लगता, पहना देवे खुशियों के हार।

मंथन

पं. कमलकांत भारद्वाज

धैर्यविहीन युवा

बुजुर्ग समाज का आईना होते हैं । मैंने उनसे काफ़ी अनुभव और शिक्षाप्रद बातें सुनी। शेर ही जंगल का राजा क्यों हैं जबकि हाथी उससे कई गुना ताक़तवर और शक्तिशाली है। लेकिन शेर धैर्यवान है। एक रोज मैं अपने कुछ दोस्तों के साथ चर्चा कर रहा था कि आज की युवा पीढ़ी यानी 21वीं सदी के बच्चों के पास सभी सुख-सुविधाएं हैं जो कि आधुनिक युग के अनुसार परिपूर्ण है। लेकिन फिर भी आत्महत्या, रिश्तों में दरार और समस्याओं का तुरन्त समाधान चाहिए ऐसी स्थिति देखने को मिलती हैं। इन सभी का एक ही कारण है वो है धैर्यहीनता,सहनशीलता में कमी या सब्र न होना। अगर जीवन में कुछ करना है और निरन्तर पानी की तरह बहते रहना है तो युवा पीढ़ी को सहनशील या धैर्यवान बनना पड़ेगा। धैर्य आपकी क्षमता को प्रदर्शित करता हैं आप, धैर्यवान बनेंगे तो आप शक्तिशाली बनेंगे जंगल के राजा शेर की तरह जो भरपेट होने के बाद शिकार नहीं करता सब्र करता हैं।

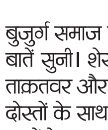

कविता

प्रोफ़ेसर ज्योति राज

प्रभात

नयन का नयन से नमन हो रहा है
ज़मीं पर ऊषा आगमन हो रहा है

परत दर परत चाँदनी कट रही है
वो देखो निशा का गमन हो रहा है

बढ़ी जा रही हौले हौले अरुणिमा
नये दिन का कैसा सृजन हो रहा है

मधुर मुक्त आभा सुगंधित पवन है
लगता है कहीं पर हवन हो रहा है

समय ये सराबोर उल्लास से है
चहूँ ओर उजला सदन हो रहा है

नया दिन हो जैसे नये गान जैसा
हृदय 'राज' कितना मगन हो रहा है

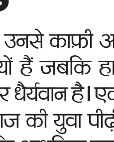

मुक्तक

वीरेंद्र मधुर

सीमाएं

आतंकी रूबरू रहा होगा,
जो मरा वो हिंदू रहा होगा।
मधुर जो पूछता कि धर्म क्या ,
वहीं खून का बिंदू रहा होगा।।

तनावों से भरी सीमाएं हैं ,
हलक में घुसी चिंताएं हैं।
आग के संवाद से मधुर,
आतंक की भागी हवाएं हैं।।

अब चलेंगी मिसाइल ऐसा धुआं होगा,
दुश्मन के पेट में अब लंबा सुआ होगा।
देश में आक्रोश मधुर मासूमों के बदले,
आतंकियों के वास्ते सूखा कुआं होगा।।

प्रसिद्ध साहित्यकार और कवि डॉ. शिवकांत शर्मा का आधुनिक युग में साहित्य के सामने आ रही चुनौतियों को लेकर कहना है कि हमारे साहित्य का बहुत ही गौरवशाली इतिहास रहा है, जो आज के दौर में अनेक कारणों से उपेक्षित है। इसका कारण सोशल मीडिया की विस्तारित लोकप्रियता, बढ़ते पाश्चात्य प्रभाव, मनोरंजन प्रधान मानसिकता आदि है, जिसकी वजह से समाज के बड़े हिस्से को स्तरीय व संस्कारित साहित्य से विमुख किया है।

साक्षात्कार

ओ.पी पाल

साहित्य के बिना समाज की कल्पना संभव नहीं : डॉ. शिवकांत शर्मा

भारतीय संस्कृति और सामाजिक परंपराओं को इस आधुनिक युग में जीवंत रखने की चुनौतियों से निपटने के लिए लेखक, कवि, गजलकार और साहित्यकार अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य संवर्धन करने में जुटे हैं। साहित्य से जुड़े विद्वानों में ऐसे ही साहित्यकारों में डा. शिवकांत शर्मा भी शुमार हैं, जो समाज को नई दिशा देने के मकसद से चिकित्सक होने के साथ साहित्यिक साधना करते आ रहे हैं। उन्होंने सामाजिक सरोकार, समसामयिक चिंतन, व्यवस्था से जूझते मानवीय संघर्ष व भारतीय मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन जैसे गंभीर मुद्दे अपने लेखन के मूल भाव में समाहित किये हैं। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में डा. शिवकांत शर्मा 'शिव' ने कुछ ऐसे अनछुए पहलुओं का जिक्र किया है कि साहित्य के बिना समाज की कल्पना करना बेमानी है।

हरियाणा के भिवानी में पेशे से चिकित्सक एवं साहित्यकार व कवि के रूप में लोकप्रिय डॉ. शिवकान्त शर्मा का जन्म हिसार जिले के गांव पेटवाड़ में मदनगोपाल शास्त्री और शशि देवी के घर में 23 जून 1958 को हुआ। उनके दादा पंडित रामप्रसाद उस समय के सुप्रसिद्ध लोककवि रहे हैं, जिन्होंने अनेक खंडकाव्य लिखे और वे सनातन के प्रबल प्रचारक व लोकप्रिय भजनोपदेशक भी थे। इनके पिता मदन गोपाल शास्त्री भी हरियाणवी संस्कृति के पुरोधा के रूप में हरियाणा के शीर्षस्थ साहित्यकारों में शुमार रहे हैं, जिनकी हिन्दी व हरियाणवी में 10 पुस्तकें सभी लेखन विधाओं में प्रकाशित हुई हैं। हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा उन्हें पंडित लखमीचंद सम्मान (2009) व महाकवि सूरदास सम्मान(2013) से विभूषित किया गया। परिवार से मिली साहित्यिक विरासत को आगे बढ़ा रहे डा. शिवकांत शर्मा भी बचपन से ही इस क्षेत्र में अभिरुचि रखने लगे थे। हिंदी गीत, हरियाणवी गीत, कविता, दोहे और ग़ज़लों के साथ कहानी लेखन में भी गहन अभिरुचि रखने वाले डा. शिवकांत शर्मा ने अपनी पहली रचना एक कविता के रूप में महज 16 साल की आयु में लिख डाली थी। मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के बाद शुरू हुई उनकी साहित्यिक यात्रा अनवरत जारी है। उनकी सर्वप्रिय विधा गीत लेखन है। अपनी विलक्षण प्रतिभा के बल पर एमबीबीएस, एमडी की शैक्षणिक डिग्रियां हासिल करके भिवानी में एक अस्पताल का संचालन करके वरिष्ठ छाती रोग विशेषज्ञ के रूप में स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। बकौल डा. शिवकांत शर्मा, साहित्य जगत की शुरुआत में उन्होंने नीरज के गीतों से प्रेरित होकर अनेक गीत व कुछ कविताएं लिखीं, जिनका प्राणतत्व प्रेम भाव व प्रणय केंद्रित रहा है। उनकी रचनाए कॉलेज मैगजीन में भी छपती रही। वर्ष 1985 में उनकी नियुक्ति भिवानी के सरकारी अस्पताल में हुई, जिसके बाद उन्हें अनेक साहित्यिक अनुष्ठानों में भाग लेने का मौका मिलने लगा। यहां के शायरों के सम्पर्क व प्रभाव में आकर उनकी ग़ज़ल लेखन में रुचि और गहराती चली गई, हालांकि उनका गीत लेखन भी निरंतर चलता रहा। साहित्यिक मंच मिलने से अपनी रचनाएं सुनाने व और गुणी मित्रों की रचनाएं सुनने से लेखन में सुधार व निखार आया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक प्रेम भाव केंद्रित रचनाओं के बाद उनके लेखन के मूल भाव में मुख्यतयाः सामाजिक सरोकार, समसामयिक चिंतन, व्यवस्था से जूझते मानवीय संघर्ष व भारतीय मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन जैसे गंभीर विषय रहे हैं। वहीं पिछले कुछ समय से हरियाणवी ग़ज़ल में विशेष रुचि होने पर उन्होंने कुछ ग़ज़लें ठेठ हरियाणवी भाषा में भी लिखी और साहित्यिक मंचों से सुनाए जाने पर उन्हें लोकप्रियता मिली, जिन्हें सराहना भी मिली। डा. शिवकांत ने आकाशवाणी, हिसार दूरदर्शन, जनता टीवी आदि चैनलों पर आयोजित विभिन्न मुशायरों व कवि सम्मेलनों में सहभागिता की है और अखिल भारतीय 'ग़ज़ल कुम्भ' में कई बार ग़ज़ल पाठ किया। इनका कहना है कि जहां तक युवा पीढ़ी में साहित्य के प्रति अनुराग पैदा करने का सवाल है उसके लिए स्कूल स्तर पर उन्हें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक व साहित्यिक धरोहर से परिचित करवाना आवश्यक है। स्कूल व कॉलेज स्तर पर कविता लेखन प्रतियोगिताएं और कार्यशाला आयोजित कर युवा पीढ़ी को प्रोत्साहित करना होगा। वहीं आकाशवाणी व दूरदर्शन से युवा केंद्रित साहित्यिक गतिविधियां बढ़ाने की आवश्यकता है।

प्रकाशित पुस्तकें

वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि डा. शिवकांत शर्मा की प्रकाशित पुस्तकों में हरियाणा साहित्य अकादमी के सौजन्य से एक ग़ज़ल संग्रह 'दर्द की दहलीज से' प्रमुख रूप से सुर्खियों में है, जिसमें 84 ग़ज़लें शामिल हैं। जबकि उनका एक ग़ज़ल संग्रह व गीत संग्रह प्रकाशनाधीन हैं। ग़ज़ल संग्रह 'दर्द की दहलीज़ से' की भूमिका वरिष्ठ शायर ज़मीर दरवेश ने लिखी है। उनके लिखे गीत ग़ज़लें और अन्य रचनाएं राष्ट्रीय पत्र, पत्रिकाओं के अलावा काव्य संग्रहों में संकलित होकर प्रकाशित हुई हैं।

डॉ. शिवकांत शर्मा

पुरस्कार व सम्मान

साहित्य के क्षेत्र में श्रेष्ठ उपलब्धियों के लिए डॉ. शिवकान्त शर्मा को हरियाणा साहित्य अकादमी ने उनके ग़ज़ल संग्रह 'दर्द की दहलीज़ से' को सर्वश्रेष्ठ कृति सम्मान से नवाजा है। वहीं वे राज्यकवि उदयभानु 'हंस' कविता सम्मान से भी अलंकृत हो चुके हैं। उन्हें विशिष्ट साहित्यिक अलंकरण, भिवानी रत्न, ग़ज़ल-गौरव सम्मान, पं. देवराज संधीर स्मृति सम्मान, पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान जैसे अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डॉ. शिवकान्त शर्मा 'शिव'
जन्मतिथि : 23 जून 1958
जन्म स्थान : गांव पेटवाड़ (हिसार)
शिक्षा : एम.बी.,बी. एस, एम.डी.
संप्रति : चिकित्सक,साहित्यकार एवं कवि

अनछुए पहलुओं की दास्तां 'हाजरा का बुर्का ढीला है'

पुस्तक : हाजरा का बुर्का ढीला है
लेखिका : डॉ. तबस्सुम जहां
मूल्य : 17 5 रुपये
प्रकाशक : शिवना प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा

डॉ. अल्पना सुहासिनी

हाजरा का बुर्का ढीला है, डॉ. तबस्सुम जहां द्वारा लिखित एक रोचक एवं पठनीय कहानी संग्रह है। इस कहानी संग्रह में समाज के छुए-अनछुए पहलुओं पर बड़ी ही गहनता और मार्मिकता के साथ प्रकाश डाला गया है। संवाद शैली ऐसी है, कि कहानी को एक बार पढ़ना शुरू किया जाए, तो पूरी पढ़े बिना नहीं रहा जाता।

समाज के विभिन्न पहलुओं पर लिखी गई कहानियां दिल को छू जाती हैं और यह सोचने पर मजबूर कर देती हैं कि इतने समृद्ध कहे जाने वाले समाज में कुछ चीजें आज भी ज्यों की त्यों बनी हुई हैं। सभी कहानियां आरम्भ से लेकर अंत तक पाठक को बांधे रखती हैं। चूंकि कहानीकार स्वयं स्त्री हैं तो उनकी कहानियों में स्त्री पक्ष की दुविधाएं और विसंगतियां भी बखूबी उभरकर आई हैं। यह तबस्सुम जहां का पहला कहानी संग्रह है जिसमें 12 कहानियां हैं। शीर्षक कहानी, हाजरा का बुर्का ढीला है, पाठकों को सबसे ज़्यादा प्रभावित करती है। इस कहानी की विशेषता है संवादात्मक शैली। लेखिका ने अपनी कहानियों को बोझिलता से पूर्णतः बचाए रखा है और उनमें सरसता का पुट बनाए रखा है जिसके चलते कहानियाँ भीतर तक उतरती चली जाती हैं। इनकी कहानियों की जो दूसरी विशेषता हमारा ध्यान खींचती है वह है आंचलिकता का पुट। आधुनिक दौर में लेखन से आंचलिकता कहीं दूर जा रही हैं लेकिन ये कहानियाँ उस आंचलिकता को अपने में समेटे हैं जिस कारण उनकी सौंधी महक पाठकों को प्रफुल्लित, आनंदित करती है। मौत बेआवाज़ आती है, नामक कहानी में अपनी रोजी रोटी की जुगत में लगे मजदूरों की तकलीफ़, उनके दर्द, उनकी टीस की अभिव्यक्ति जिस देशज भाषा में हुई है उस प्रयोग ने कहानी को आमजन की कहानी बना दिया है। 'गुरु दक्षिणा' कहानी की अगर बात करें तो वह कहानी भी कहीं न कहीं शिक्षा जगत के अंधेरे पक्षों पर रोशनी डालती है। 'अपने अपने दायरे' कहानी में लेखिका ने मिसेज़ गिल की पूरी जिंदगी को 20 गोले के ज़रिए ऊकेर कर रख दिया है। उनकी, 'सच्चा भक्त' कहानी वर्तमान असहिष्णु दौर में शीतल बयार जैसी लगती है।

लेखिका को हिंदू मुस्लिम दोनों संस्कृतियों की नब्ज़ पता है, वे उनके भीतर तक पैठी हैं। इन संस्कृतियों में और इसी कारण उन्होंने जो भी लिखा वह अधिक विश्वनीय दस्तावेज है। संग्रह की अन्य कहानियां झूठा ईश्वर, प्रेम और समर्पण, कला और भीख, शहर वापसी भी अपने रोचक क्लेवर से पाठकों का ध्यान अपनी ओर खींचती हैं।

खबर संक्षेप

पहलगाम में मारे गए लोगों को दी श्रद्धांजलि

रोहतक। लोजपा रामविलास के कार्यकर्ताओं ने पहलगाम हमले मे मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी। पार्टी के जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडेय, जिला उपाध्यक्ष प्रणव कुमार, निरंजन सिंह, ओम प्रकाश बत्रा, पार्टी के वरिष्ठ नेता रामाधार सिंह, प्रमोद, मृत्यु जयसिंह, शंभू, प्रमोद सिंह, मंटू ठेकेदार, सौरव , विक्रांत और अजय पाठक ने कहा कि भारत अपने नागरिकों की मौत का बदला जरूर लेगा। इसके लिए सरकार ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। जबकि उचित मौका मिलेगा, तुरंत पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई कर दी जाएगी। इससे पहले भी सरकार आतंकवादी हमलों का जवाब दे चुकी है। कूटनीति के तौर पर जवाब दिया जाना चाहिए, वह केंद्र सरकार की तरफ से दिया जा रहा है।

पहलगाम में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति को हवन

रोहतक। भारत विकास परिषद् सेक्टर शाखा रोहतक द्वारा पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में पर्यटकों पर हुए हमले में मारे गए 26 लोगों की आत्मिक शांति के लिए हवन का आयोजन देव भूमि मन्दिर में किया। इस मौके पर परिषद् अध्यक्ष रमेश अहलावत ने कहा कि पहलगाम की बैसरन घाटी में हुई हृदय विदारक त्रासदी ने पूरे राष्ट्र को शोक की गहन छाया से ढक दिया है। सभी ने दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर मनोज बहल, रमेश अहलावत, तरुण गुप्ता, राकेश शर्मा, राजीव मलिक, सतीश बंसल, गुलशन उप्पल, अनिल भाटिया, डॉ. एएन कालिया, रमेश चुघ, रमेश गर्ग, अशोक मल्होत्रा, कैलाश मित्तल, अशोक गुप्ता, संजीव धमीजा आदि मौजूद रहे। भारत विकास परिषद् सेक्टर शाखा रोहतक द्वारा पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में मारे गए 26 लोगों की आत्मिक शांति के लिए हवन का आयोजन किया।

संकट मोचन मंदिर में श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ कथा का दूसरा दिन

भागवत कथा के श्रवण से मनुष्य के जन्म-जन्मों के पाप मुक्त होते हैं : साध्वी यमुना

संकट मोचन मंदिर में ब्रह्मलीन गुरुमां गायत्री के निर्वाण दिवस के उपलक्ष में सात दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में ब्रह्मलीन गुरुमां गायत्री के निर्वाण दिवस के उपलक्ष में सात दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम का शुभारंभ श्रद्धा और भक्तिभाव से हुआ। श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन रविवार को कथावाचक साध्वी यमुना दीदी (वृन्दावन) ने कहा कि श्रीमद्भभागवत कथा ज्ञान का विशाल सागर है। इसके श्रवण से मनुष्य के जन्म-जन्मों के पाप मुक्त हो जाते हैं। भागवत कथा एक ऐसा महाकाव्य है जो धार्मिक और आध्यात्मिक ज्ञान को साझा करता है। यह ग्रंथ अनन्त ज्ञान का खजाना है जो हमें मन, शरीर, और आत्मा के सम्बंध में शिक्षित करता है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण्ड पुराण में भी कहा गया है कि जो व्यक्ति भगवान के रथ के रस्सों को अपने हाथों से खींचता है तथा रथ पर सुशोभित श्री कृष्ण व बलराम के दर्शन करता है तथा भगवान के स्वागतार्थ उठ खड़ा होता है, उसके जन्म जन्मांतर के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं।

रोहतक। शिविर में साध्वी मानेश्वरी देवी के स्वास्थ्य की जांच करते पीजीआई के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल व साथ है डॉ कुंदन मित्तल। फोटो : हरिभूमि

हरि गोपाल हरि हरि भजन पर झूमे भक्तजन

कथावाचक साध्वी यमुना दीदी ने गोविंद हरि गोपाल हरि, भजले प्रभु दीनदयाल हरि, जय राम हरि, जय शाम हरि, जय जय प्रभु दीनदयाल हरि, गोविंद हरि गोपाल हरि नामक भजन सुनाया। जिस पर सभी भक्तों ने भक्ति में लीन होकर नृत्य किया।

100 मरीजों का निःशुल्क उपचार किया

कथा से पहले सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पीजीआईएमएस कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल और एमएस डॉ. कुंदन मित्तल ने रिबन काटकर शिविर का उद्घाटन किया और पूजा अर्चना कर ज्योत प्रचंड की। डॉक्टर मनी, डॉ रोहित, डॉ विशाल व उनकी टीम ने साध्वी मानेश्वरी देवी सहित 100 से अधिक मरीजों की जांच की। मरीजों का बीपी, शुगर आदि टेस्ट किए गए व उन्हें दवाईंयां भी वितरित की ग़ई। डॉ. एचके अग्रवाल ने कहा कि गर्मी में बचाव के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, हल्के और ढीले कपड़े पहनें और धूप से बचें। उन्होंने कहा कि शिविर में सबसे ज्यादा मरीज शुगर और बीपी के आए हैं। जिस तरह से पर्यावरण और वातावरण प्रदूषित होते जा रहे हैं, लोगों में बीमारियों का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। इनसे बचने के लिए सभी लोगों को हर छह महीने में अपने शरीर की जांच करानी चाहिए।

रोहतक। माता दरवाजा स्थित सकट मोचन मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में प्रवचन देती साध्वी यमुना दीदी साथ है साध्वी मानेश्वरी देवी।

श्रीमद्भागवत कथा में प्रवचन सुनते भक्तजन ।

भिवानी की शर्मिला प्रधान व सोनीपत के सहदेव महासचिव निर्वाचित

- बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन का राज्य स्तरीय सम्मेलन व चुनाव सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन का राज्य स्तरीय 17वां प्रतिनिधि सम्मेलन एवं राज्य कार्यकारिणी गठन करतार सिंह फार्म हाउस गद्दी खेड़ी में आयोजित किया गया। जिसमें हरियाणा प्रदेश के सभी जिलों के प्रतिनिधियों ने भागीदारी दी।कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य संयोजक व पूर्व राज्य प्रधान लाजवन्ती बेवाल ने की। संचालन महासचिव हरिनिवास ने किया।सम्मेलन में पूर्व राज्य प्रधान आशा शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की एवं सर्व कर्मचारी संघ से जिला प्रधान रोहतक कर्मबीर सिवाच और राज्य कमेटी नेता प्रेम सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि एवं पर्यवेक्षक पहुंचे। सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कर्मचारी नेताओं संगठन की महत्वता पर प्रकाश डाला एवं वर्तमान सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों एवं खतरों से कर्मचारियों को अवगत करवाते हुये संगठित रहते हुए आंदोलनरत रहने की अपील की।

दिलाई शपथ

मतदान के बाद निर्वाचन मण्डल ने मतगणना पुरी कर चुनाव परिणाम घोषित किया। जिसमें भिवानी से शर्मिला देवी प्रधान, सोनीपत से सहदेव आर्य सांगवान महासचिव, पलवल से धर्मबीर सिंह कोषाध्यक्ष, करनाल से सुनील जांगड़ा वरिष्ठ उप प्रधान निर्वाचित हुए। मुख्यातिथि एवं पर्यवेक्षक मण्डल ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी व संगठन के संविधान एवं पद की शपथ दिलाई।

सम्मेलन के बाद कार्यकारिणी गठन की प्रक्रिया शुरू की गई जिसमें मुख्य चार पदों प्रधान ,महासचिव, कोषाध्यक्ष एव वरिष्ठ उप प्रधान पद के लिये चुनाव प्रक्रिया को आगे बढ़ा कर वोटिंग की प्रक्रिया शुरू हुई।

संयुक्त बयान में प्रधान शर्मिला एवं महासचिव सहदेव आर्य सांगवान ने बताया कि बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन बहुउद्देशीय वर्ग के कर्मचारियों की जायज मांगों के लिए संघर्षरत है। जिसमें मुख्यतः समाप्त पदों को बहाल करवाने , राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में कार्यरत एमपीएचडब्ल्यू कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों की भांति 4200 ग्रेड पे सहित भत्ते लागू करवाना आदि हैं।

सुभाष नगर में ऑफिस एवं लाइब्रेरी का उद्घाटन

रोहतक। एसएन जनरल वेलफेयर एसोसिएशन सुभाष नगर के ऑफिस एवं लाइब्रेरी का विधिवत उद्घाटन हुआ। जिसमें सुभाष नगर वासियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। पूर्व निगम पार्षद अशोक खुराना ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। लाइब्रेरी का समय सुबह 6:30 से 8:30 तक और ऑफिस का समय शाम 5:00 बजे से 8 बजे तक तय किया गया। नगर वासियों ने अपनी समस्याओं से अशोक खुराना को अवगत कराया। एसोसिएशन के प्रधान जतिन बत्रा ने बताया कि सुभाष नगर निवासी अपनी समस्याएं एसोसिएशन के पदाधिकारियों को ऑफिस में आकर दर्ज कर सकेंगे। लाइब्रेरी में समाचार पत्रों के अतिरिक्त बच्चों के लिए ज्ञानवर्धन सम्बंधित पुस्तकें आदि भी उपलब्ध होगी। इस अवसर पर सुभाष मल्होत्रा, अशोक हुड़िया, यशपाल ढींगरा, सुरेंद्र सहगल सुरेश, विजय, सुरेंदर भूटानी, हंसराज, आनंद, कमल पसारिजा, अशोक ढुआ, सुरेंद्र वाधवा, सोम हुडिया, राजेंद्र भाटिया, बंटी, हिमांशु गाबा व अशोक निझावन आदि मौजूद रहे।

महम में स्वच्छ पेयजल को तरसे लोग, गर्मी में परेशानी

- 2000 टीडीएस वाले पानी की आपूर्ति की जा रही, लोगों के बीमार होने का खतरा
- लोगों को खरीदकर पीना पड़ रहा पानी, गर्मी में बढ़ रही दुश्वारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

जनस्वास्थ्य विभाग महम शहर और आस पास के इलाके में लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने में नाकाम साबित हो रहा है। जिस वजह से लोगों को पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है। जो लोग जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा सप्लाई किए जा रहे पानी को पी रहे हैं, उनके बीमार होने का खतरा पैदा हो गया है। महम के सीनियर वकील रोहतास राठी ने बताया महम शहर के साथ साथ सरकारी कार्यालयों में, कोर्ट परिसर में और शिक्षण संस्थाओं में जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा सप्लाई किए जा रहे पानी का टीडीएस 2000 है। टीडीएस का यह खतरनाक स्तर है। साथ लगते किशनगढ़ गांव में भी यही हालात हैं। रोहतास राठी ने बताया कि उन्होंने विभाग द्वारा जलघरों से सप्लाई किए जा रहे पानी की जांच करवाई है, जिसमें यह बात सामने आई है। वकीलों को मजबूरन पानी के कैंपर रखवाने पड़ रहे हैं। शहर के वार्ड 8 से पार्षद विनोद गोयल, वार्ड तीन की पार्षद रेनू बाल्मीकि और वार्ड 12 से पार्षद बोबी गोयल ने बताया कि शहर में नहरी पानी की बजाए ट्यूबवैलों का कड़वा पानी आपूर्ति किया जाता है। घरों में आने वाले पानी को मुंह में भी नहीं लिया जा सकता है। कई जगहों पर गंदा और बदबूदार पानी भी सप्लाई हो रहा है। शहर में स्वच्छ पेयजल न मिलने से लोगों में जनस्वास्थ्य विभाग के प्रति काफी रोष बना हुआ है।

महम। राजकीय महाविद्यालय महम में पानी लेकर पहुंचे कैंपर सप्लायर की गाड़ी से पानी पीते कॉलेज विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

कॉलेज में बच्चों को खरीदकर पिला रहे हैं पानीः प्राचार्य

राजकीय महाविद्यालय महम में भी आजकल स्वच्छ पेयजल का कोई स्थाई समाधान नहीं है। बच्चे कई दिन से पीने के पानी को लेकर परेशान थे। इस संबंध में विद्यार्थियों ने प्रिंसिपल से मिलकर एक शिकायत दी थी। बच्चों ने कहा था कि कॉलेज में आ रहा पानी पीने योग्य नहीं है। इसलिए स्वच्छ पेयजल का समुचित प्रबंध किया जाए। उसके बाद प्रिंसिपल ने संबंधित प्राध्यापकों को वाटर कूलरों को दुरुस्त करवाने की ड्यूटी लगाई है। प्रिंसिपल रोहित कुमार ने बताया कि जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा कॉलेज में गंदा पानी सप्लाई किया जा रहा है। जिस कारण अब कॉलेज में रोजाना बच्चों को खरीदकर पानी पिलाया जा रहा है। कैंपर सप्लायर यहां पर रोजाना स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवा रहा है।

चार पांच दिन बाद की जाती है पानी की आपूर्ति

महम नगर पालिका के वाइस चेयरमैन वार्ड सात से पार्षद बसंत लाल गिरधर ने बताया कि जनस्वास्थ्य विभाग शहर के लोगों को रोजाना पीने का पानी उपलब्ध करवाने में नाकाम है। चार पांच दिन में लोगों को पानी मिलता है। इतने दिन बाद पानी आता है, वह भी पीने योग्य नहीं होता। गर्मी के इस मौसम में विभाग द्वारा दिया जा रहा पानी पर्याप्त नहीं है और न ही पीने लायक है। शहर के लोग पानी को लेकर काफी परेशान हैं। शहर में पानी का हमेशा ही संकट बना रहता है। गर्मी में यह समस्या और भी बढ़ जाती है।

रविंद्र अत्री बने प्रधानस्किल ट्रेनर्स एसोसिएशन वर्ग अनुदेशक आईटीआई यूनियन का चुनाव संपन्न

रोहतक। प्रदेश भर की विभिन्न आईटीआई से स्किल ट्रेनर्स एसोसिएशन के वर्ग अनुदेशकों की मीटिंग हुई। जिसकी अध्यक्षता केवल सिंह जुलानी ने की। उन्होंने सर्वसम्मति से रविंद्र अत्री को अपनी कार्यकारिणी का प्रधान चुना। महासचिव पद पर सुरेश कुमार को चुना गया। संगठन के संरक्षक के रूप में प्रवीण देशवाल को चुना गया। वरिष्ठ प्रधान रमेश कुमार एवं मुकेश नेहरा को चुना गया। उप प्रधान में वीरेंद्र कुमार और सुरेंद्र खटकड़ का चुनाव हुआ। कैशियर के पद पर रजत राणा चुने गए। पूर्व प्रधान प्रवीण देशवाल ने बताया कि स्किल ट्रेनर्स संगठन ने अपना कार्यकाल पूरा किया और इस दौरान अनेकों साथियों को पदोन्नति दिलवाई और अनेकों कार्य अभी भी पाइप लाइन में चल रहे हैं। नवयुक्त पदाधिकारी को उन्होंने बधाई दी। सैकड़ो कर्मचारियों ने उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग और साथ देने का आश्वासन दिया। नव नियुक्त प्रधान रविंद्र अत्री द्वारा सभी को आश्वासन दिया गया कि आगामी समय में सरकार विभाग के उच्च अधिकारियों से मिलकर अपनी मांगों को पूरा करने के लिए भरसक प्रयास किया जाएगा।

क्वांटेटिव टेक्निक्स इन डाटा एनालिसिस विषय पर आयोजित कार्यशाला संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा क्वांटेटिव टेक्नीक्स इन डाटा एनालिसिस विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला रविवार को संपन्न हो गई। कार्यशाला के दूसरे दिन प्रथम सत्र में आईएसआईडी, नई दिल्ली के प्रो. शैलेंद्र कुमार हुड्डा ने एसटीएटीए साफ्टवेयर के उपयोग से मॉडल स्पेशिफिकेशन, डायग्नोस्टिक टेस्टिंग तथा पैनल डाटा एनालिसिस के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। उन्होंने प्रतिगमन विश्लेषण की अवधारणाओं और अनुप्रयोगों पर विस्तार से बताया, साथ ही उचित मॉडल विनिर्देश और नैदानिक परीक्षणों की व्याख्या के महत्व पर बल दिया।

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते आईएसआईडी, नई दिल्ली के प्रो. शैलेंद्र कुमार हुड्डा। फोटो : हरिभूमि

सेटेरिस पैरीबस धारणा के महत्व पर चर्चा की

वहीं दूसरे सत्र में कुरूक्षेत्र विवि के एमिरेट्स प्रोफेसर डा. टीआर कुण्डू ने बहु प्रतिगमन की अवधारणा पर भी विस्तार से बताते हुए आर्थिक अध्ययनों में इसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सेटेरिस पैरीबस धारणा के महत्व पर चर्चा की और विश्लेषण किया कि कैसे बहु प्रतिगमन इस धारणा के साथ और इसके बिना आर्थिक शोध को मजबूत करता है। प्रो. सुरिंदर कुमार, सेवानिवृत प्रोफेसर, एमडीयू ने समापन सत्र में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। प्रो. सुरिंदर कुमार ने शोध में सांख्यिकीय उपकरणों और तकनीकों के सही उपयोग बारे चर्चा की।

उन्होंने कहा कि हमें सावधानियों के साथ सांख्यिकीय तरीकों का उपयोग करना होगा। प्रो. सेवा सिंह दहिया (डीन फैकल्टी ऑफ सोशल साइंस) ने कहा कि हम भविष्य में भी इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन करेंगे, जिसमें सीखने पर अधिक जोर दिया जाएगा। विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विभाग के प्राध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मेजबान जैन पब्लिक स्कूल की तीक्षा पहले स्थान पर रहीं

रोहतक। माता दरवाजा स्थित जैन पब्लिक स्कूल में 37वीं जिला स्तरीय चेस चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के अंडर 9, अंडर 11, अंडर 13, अंडर15, अंडर 17, अंडर19 व पुरुष और महिला वर्ग के खिलाड़ियों ने भाग लिया है। इनमें महिला ओपन वर्ग में जैन स्कूल की तीक्षा ने पहला स्थान हासिल किया। इसी तरह पुरुष वर्ग में पीयूष और अरुण दलाल ने जीत हासिल की है। अंडर 19 लड़कों में डीएवी स्कूल के हिमांक ने पहला, जेड ग्लोबल के ईशान ने दूसरा, लड़कियों में मातुराम कॉलेज की पूर्वा ने पहला, जैन स्कूल की भावना ने दूसरा स्थान हासिल किया है। अंडर 17 लड़कों में विद्या श्री स्कूल के योग्य ने पहला और करण ने दूसरा, जबकि लड़कियों में मानवी ने दूसरा, जैन स्कूल की मुहाना ने दूसरा स्थान, अंडर 13 में सेक्टर 4 स्थित मॉडल स्कूल की गार्गी ने पहला, भूमि सोनी ने दूसरा व लड़कों में स्कॉलर्स रोजरी के माधव ने पहला , एमडीएन के अंबार ने दूसरा, अंडर 11 लड़कों में किंग्स कॉलेज के अन्मय ने पहला, अगस्त्या स्कूल के जीवंश ने दूसरा और लड़कियों में मॉडल स्कूल कालनौर से यशिका ने पहला, सेक्टर 4 स्तिथ मॉडल स्कूल की तरीशा नए दूसरा स्थान हासिल किया है। अंडर 9 लड़कों में एमएस सरस्वती स्कूल के हेमन ने पहला और दिगवीर नए दूसरा स्थान हासिल किया है। जबकि लड़कियों में मॉडल स्कूल कालनौर की दीपांशी ने पहला, जैन स्कूल की ग्रेसी ने दूसरा हासिल किया है।

कला कल्याण की जननी :डॉ संजय गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

वैश्य महाविद्यालय में ललित कलाओं की खोज दृश्य कला और विपणन में समकालीन विकास विषय पर ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करवाया गया। संगोष्ठी का शुभारंभ प्राचार्य डॉ संजय गुप्ता ने किया। कनाडा से डेविड सैमसन ने सेमीनार से जुड़े मुख्य बिंदुओं को साझा किया। डॉ. तरुणा मल्होत्रा ने ललित कला के गुणों पर विचार प्रकट किए। डॉ. रश्मी आर्या बताया कि ललित कला के प्रति बचपन से ही रूचि को बढ़ाया जाना चाहिए, जिससे बड़े होने पर वे उम्दा कलाकार बन सके। स्नेहलता प्रसाद ने पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से उनके द्वारा बनाई गई पत्थर की मूर्तियों की तस्वीर सांझा की और उनके विषय में तकनीकी जानकारी दी। इसके अलावा डॉ. हृदय कौशल ने बताया कि कला कल्याण की जननी है और भारत में ऐसी बहुत सी कला हैं जो विरासत में परिवारों को मिलती हैं। साथ ही उन्होंने कला के ऐतिहासिक पहलुओं पर भी प्रकाश डाला। डॉ. राजेश जांगड़ा ने व्यर्थ पदार्थों से मूर्तिकला के लिए आज के युवा वर्ग को प्रेरित किया। संगोष्ठी स्मारिका का विमोचन प्राचार्य डॉ. संजय गुप्ता ने किया। संगोष्ठी में ललित कला के प्रचार-प्रसार व कलाकारों के जीवन से जुड़ी अनेक विसंगतियों पर भी चर्चा की गई, साथ ही उनके समाधान पर भी विचार विमर्श किया गया। संगोष्ठी समन्वयक डॉ राजल गुप्ता व संगोष्ठी सचिव डॉ उन्मेष मिश्र ने बताया कि संगोष्ठी में देश-विदेश से 90 शोधपत्र प्राप्त हुए व 200 शिक्षक शोधार्थी व छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

शिव देव सर्विसेज
आवश्यकता है
मैन पावर कंपनी में
- एचआर हेड (महिला)
- फील्ड ऑफिसर
- टेलीकॉलर (महिला)
सिक्योरिटी गार्ड और हाउसकीपिंग स्टाफ के लिए सम्पर्क करें।
202, टाउन सेंटर मॉल, डी-पार्क, रोहतक
अपना रिज्यूम व्हाट्सएप करें M. 9991789000

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
- PRO 5
- NURSING STAFF 4
- ICU STAFF 10
- MALE NURSING STAFF 5
- HOUSE KEEPING 2
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

PRIME SCHOOL UNIFORMS
Mfrs & Traders: All Types of School Uniforms, T-Shirts, Lower & Track Suits etc.
Deals in All Kind of School Bag, School Shoes & Stationary Items
Shoes 20% off
VIPIN KUMAR M. 9812587499
All School Dress also available
▸All Vaish School ▸Vedanta School ▸Shiksha Bharti ▸Scholar Rosary ▸St. Pall School ▸ZAD Global School ▸Model School ▸Shivalik School ▸DAV School ▸MRGS School ▸Baba Mast Nath School ▸GD Royal School
802/12, Arya Nagar, Opp. Vedic Ashram, Near HUDA Complex, Rohtak | Ph.: 01262-258299

दिव्यांगों को समान अवसर, संसाधन और सहयोग की जरूरत : डॉ. शरणजीत

- सक्षम व्यक्तियों को सशक्त बनाने में समावेशी शिक्षा की भूमिका वर्तमान परिदृश्य विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

आज ऐसी समावेशी शिक्षा प्रणाली विकसित करने की जरूरत है, जिसमें प्रत्येक बच्चे विशेषकर विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों (दिव्यांगों) को समान अवसर, संसाधन और सहयोग प्राप्त हो। जो सुनिश्चित करे कि कोई भी बच्चा केवल अपनी विशेष क्षमताओं के कारण मुख्यधारा से अलग न रहे। ये बात भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्षा डा. शरणजीत कौर ने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान कही। एमडीयू के सेंटर फॉर डिसेबिलिटी, सक्षम एनजीओ तथा चौ. रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज के तत्वाधान स्वराज सदन में सक्षम व्यक्तियों को सशक्त बनाने में समावेशी शिक्षा की भूमिका वर्तमान परिदृश्य विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए डा. शरणजीत कौर ने वर्तमान समय में सक्षम व्यक्तियों के सशक्तिकरण में समावेशी शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया। एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि समावेशी शिक्षा न केवल विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों को सशक्त बनाती है, बल्कि एक सहिष्णु, समान और समावेशी समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जरूरत इस बात की है कि इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों को और अधिक ठोस, व्यावहारिक तथा व्यापक बनाया जाए ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे और अपनी पूरी क्षमता के साथ समाज के विकास में योगदान कर सके।

रोहतक। आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्यअतिथि भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्षा डा. शरणजीत कौर को स्मृति चिन्ह देते सेंटर फॉर डिसेबिलिटी स्टडीज की निदेशक प्रो. प्रतिमा व अन्य प्रोफेसर और में मौजूद प्रोफेसर व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सच्चे समावेश को प्राप्त करने के लिए मजबूत नीतियों की आवश्यकता पर जोर दिया

संगोष्ठी में प्रो. दयाल पवार ने सच्चे समावेश को प्राप्त करने के लिए मजबूत नीतियों, नवीन शिक्षण पद्धतियों और सामाजिक भागीदारी की आवश्यकता पर जोर दिया। सक्षम (एनजीओ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र बत्रा ने समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने में नागरिक समाज संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। ललित आनंद एक ने शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों को सशक्त बनाने पर अपने बहुमूल्य दृष्टिकोण साझा किए। सेंटर फॉर डिसेबिलिटी स्टडीज की निदेशक प्रो. प्रतिमा ने संगोष्ठी की विषयवस्तु पर प्रकाश डाला। चौ. रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो. संदीप मलिक ने आभार जताया। इस अवसर पर डॉ. राजेश सहित अन्य मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

पहलगाम में मारे गए लोगों की आत्मा शांति के लिए हवन

रोहतक। भारत स्वाभिमान न्यास रोहतक द्वारा आज रविवार को सैनिक पार्क सेक्टर 4 रोहतक एसोशिएशन मे साधारण बैठक मे पहलगाम मे शहीद भारतीय की आत्मा की शांति के लिए वैदिक हवन मे योग समिति द्वारा आहुति डाली गई सभी ने एक मत से आतंकवाद को समापत करने के लिए जो भी लड़ाई करनी हा करो हम भारत सरकार के साथ है। इस मौके पर दया आर्य ,जगबीर आर्य ,सुभाष सांगवान ,सुनीता, सीमा ,महक व संगीता उपस्तिथ रही ।

परीक्षा पास करने पर 87 बच्चों का लिया साक्षात्कार

रोहतक। माता धनपति देवी चैरिटेबल ट्रस्ट में निशुल्क पढ़ाए जाने के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में पास होने वाले छात्र-छात्राओं का साक्षात्कार डीके जैन की देख रेख में आयोजित किया गया। जिसके आधार पर पांचवी कक्षा से दसवीं कक्षा तक के 87 छात्र-छात्राओं को ट्रस्ट परिवार में सम्मलित किया गया। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि संजय गुप्ता व अनिल गुप्ता द्वारा इन बच्चों को ट्रस्ट परिवार में शामिल करवाया गया।

सड़क को भी दे रखा किराए पर, रेहड़ी वालों से वसूल रहे मासिक किराया

दुकानदारों की दादागिरी, सड़क पर सामान रख कर रहे कारोबार

▶▶| आंख मूंदे बैठे नपा अधिकारी ▶▶| दुकानों में कम और सड़कों पर रखा होता ज्यादा सामान

- व्यापार मंडल अधिकार मांगने में दिखाता है चुस्ती, कर्तव्य का पालन करना भी जरूरी
- जनता की प्रशासन से अपील, सड़कों पर कब्जा जमाए बैठे दुकानदारों पर हो कार्रवाई

राज कुमार नरवाल ▶▶| महम

भारतीय संविधान ने हमें अधिकार दिए हैं। इन अधिकारों के साथ साथ हमें कर्तव्य भी बताए गए हैं। यदि हमारे अधिकारियों का हनन होता है तो हम अपने अधिकार मांगने में देर नहीं लगाते। अधिकार हासिल करने के लिए जितनी तत्परता दिखाते हैं, उतनी जल्दबाजी से कर्तव्यों का पालन नहीं करते। यही वजह से देश का सिस्टम खराब हो रहा है। देश के धन का एक बहुत बड़ा हिस्सा और देश की ऊर्जा इस सिस्टम को ठीक करने में ही बर्बाद हो रही है। इसकी मुख्य वजह हमारी मानसिकता है। वैसे तो यदि सिस्टम को ठीक करने की बात करें, तो यह एक लंबा विषय है। मगर यदि महम की सड़कों पर अतिक्रमण की बात की जाए तो यहां पर दुकानदारों की धक्काशाही देखने को मिल रही है।

महम। पुराने बस स्टैंड से मेन बाजार की ओर जाने वाली सड़क के हालात। फोटो : हरिभूमि

कार्रवाई होने पर व्यापार मंडल के नेता बनते ढाल

सड़क कब्जाकर दुकान से बाहर रोड पर गद्दी बनाकर व गल्ला रखकर बैठे इन दुकानदारों का कुछ नहीं बिगड़ता। इन अतिक्रमणकारियों को यह भी पता है कि यह केवल ढकोसला है, कुछ होने वाला नहीं है। ये दुकानदार पीछे से ये भी कहते हुए सुने जाते हैं कि इनसे पहले यहां कई सेक्रेटरी व नगर पालिका अधिकारी आकर चले गए। उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ पाया। उधर इन दुकानदारों के पास व्यापार मंडल की भी ताकत है। अतिक्रमण हटाने या जुर्माना किए जाने की कार्रवाई शुरू होते ही व्यापार मंडल के नेता इनकी ढाल बन जाते हैं।

कब्जा जमाए बैठे दुकानदारों पर कार्रवाई की हिम्मत किसी अधिकारी की नहीं, बड़ा सवाल

शहर में इक्का दुक्का दुकानदारों को छोड़कर ज्यादातर दुकानदारों ने सड़कों पर अतिक्रमण कर रखा है। दुकानदार सड़क पर रखकर सामान बेच रहे हैं। उनकी दुकानों में सामान कम है और सड़क पर ज्यादा सामान रखा हुआ है। दुकानदारों ने सरकारी सड़क को भी किराए पर दिया हुआ है। दुकान के आगे रेहड़ी लगवाते हैं और रेहड़ी वालों से मासिक किराया वसूल करते हैं। दुकानदारों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्होंने सरकारी सड़क को भी किराए पर चढ़ा दिया है। स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी और नगर पालिका अधिकारी जान बूझकर अनजान बने हुए हैं। अब यह सवाल यह है सड़कों पर कब्जा जमाए बैठे इन दुकानदारों पर कार्रवाई करने की हिम्मत किसी अधिकारी में नहीं है। क्योंकि कई पार्षद नगर पालिका कार्यालय में इनकी पैरवी करते हैं। हालांकि लोग दिखावा कभी कभार नगर पालिका द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया भी जाता है।

दुकारदारों को समझने की जरूरत अतिक्रमण से होती पेरशानी

दुकानदारों को खुद यह समझने की जरूरत है कि उनके द्वारा किए गए अतिक्रमण से लोगों को आवागमन में परेशानी होती है। यदि कोई दुकानदार यह बात नहीं समझता है तो प्रशासन को यह बात उस दुकानदार को समझाने की जरूरत है। मेन बाजार, पुराना बस अड्डा, भिवानी स्टैंड, भिवानी रोड, पालिका बाजार, थाना रोड, गोहाना अड्डा, गोहाना रोड, क्रांति चौक, रोहतक रोड, हिसार रोड व सैमाण चुंगी रोड समेत शहर की ज्यादातर सड़कों पर लोग अवैध कब्जे जमाए बैठे हैं, जिससे लोग परेशान हैं और महम के अधिकारी चैन की नींद सो रहे हैं। शहरवासी रोहित कुमार ने बताया कि उनका मकान शहर पुलिस चौकी के सामने है। यहां पर एक बड़ा चौक है। इस चौक पर दुकानदारों ने अवैध कब्जे कर रखे हैं। इन अवैध कब्जों को हटाया जाना चाहिए। दुकानदार दुकानों से बाहर सामान धरे बैठे हैं।

मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

रोहतक। जिला एवं सत्र न्यायाधीश निरजा कुलवंत कलसन तथा सीजेएम डॉ. तरन्नुम खान के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण रोहतक द्वारा कलानौर स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा पहली से बारहवीं तक के प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों, नेशनल अवार्डी एवं अन्य प्रतियोगिताओं के विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला जेल के डीएसपी अंकित मलिक ने किया। विद्यालय के प्राचार्य देवेंद्र कटारिया ने विद्यार्थियों की मेहनत और लगन की सराहना की। अंकित मलिक ने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता न केवल उनके व्यक्तिगत प्रयासों का परिणाम है, बल्कि यह उनके माता-पिता, शिक्षकों और विद्यालय की संयुक्त मेहनत का प्रतिफल भी है। इस अवसर पर जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के डिप्टी चीफ डिफेंस काउंसल राजबीर कश्यप एडवोकेट ने राष्ट्रीय लोक अदालत व पैनल अधिवक्ता संदीप कुमार एडवोकेट ने निशुल्क कानूनी सहायता के संबंध में जानकारी दी व प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी और शील्ड प्रदान की। मंच संचालन डॉ. अल्का मदान ने किया। इस अवसर पर लीगल लिटरेसी प्रोग्राम की इंचार्ज एकता कत्याल सहित अन्य उपस्थित रहे।

रोहित शर्मा शूरसेन मंडल के महामंत्री नियुक्त

रोहतक। रोहित शर्मा को महाराजा शूरसेन मंडल का महामंत्री नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति पर शर्मा को भाजपा कार्यालय मंगल कमल में बधाई दी गई और मिठाई खिलाकर ख़ुशी का इज़हार किया गया। इस अवसर पर रोहित शर्मा ने कहा के उन्हें जो ज़िम्मेदारी दी गई है उसे वो ईमानदारी व पूर्ण निष्ठा से निभायेंगे। साथ ही पार्टी की जन कल्याणकारी नीतियों को जन जन तक पहुंचायेंगे। भाजपा ज़िला अध्यक्ष एडवोकेट रणबीर ढाका ने भी रोहित शर्मा को बधाई दी। इस मौक़े पर बीजेपी अध्यक्ष रणबीर ढाका, बीर सिंह हुड्डा, अमित बंसल, रॉकी सहगल (अध्यक्ष शूरसेन मंडल), पंकज भारद्वाज सोशल मीडिया प्रमुख, एडवोकेट अंकुश बीरु साहसी, संदीप जांगड़ा, विकास शर्मा सहित अन्य पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इंडियन टैलेंट साइंस ओलंपियाड के सेकेंड राउंड में द मॉडर्न पब्लिक स्कूल शीर्ष पर

रोहतक। इंडियन टैलेंट साइंस ओलंपियाड 2024-25 में द मॉडर्न पब्लिक स्कूल के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन किया है। राउंड 2 फाइनल परिणाम में द्वितीय कक्षा के मोहित, 5वीं कक्षा से विदित, 6वीं कक्षा से युगांश, 8वीं से पवित्र ने पहला, कक्षा 8वीं से अंतर ने द्वितीय, कक्षा 8वीं से मनखुश ने तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं कक्षा 9वीं से राधिका को एक्सीलेंट अवार्ड से नवाजा गया व 10वीं से देवेन पहले स्थान पर रहे। इशांत ने दूसरा और कनक ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। ओलंपियाड जीतने पर स्कूल में खुशी की लहर है। प्रधानाचार्य राज यादव व डायरेक्टर जतिन सिक्का व मानिक सिक्का, सोनम व स्कूल स्टाफ ने सभी बच्चों को बधाई दी। इस अवसर पर मैनेजमेंट के प्रेसिडेंट कुलवंत सिक्का सहित अन्य मौजूद रहे।

रोहतक। प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम सुनते हुए भाजपा नेता।

भाजपाइयों ने सुनीं पीएम के मन की बात

सांपला। भाजपा कार्यकर्ताओं ने रविवार को इस्माईला में प्रधानमंत्री के मन की बात सुनी। भाजपा कार्यकर्ता पवन खत्री के कार्यालय पर जिला परिषद की चेयरपर्सन मंजू हुड्डा भी पहुंची। इस कार्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी ज्यादा रही। चेयरपर्सन मंजू हुड्डा व पवन खत्री ने कहा कि आज देश व प्रदेश विकास के दौर में चल रहा है। प्रधानमंत्री का प्रयास है कि भारत विश्व में प्रथम नंबर पर पहुंचे और विश्व गुरु का दर्जा हासिल करें। इस मौके पर राजीव कौशिक, रमेश पूनिया, राजेश बंसल, विक्की खत्री , पवन प्रजापत, जगफुल, वनिता , सुमित्रा मोनिका आदि महिलाएं उपस्थित थी। वहीं अटायल में भाजपा नेता रमेश के साथ अन्य कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के मन की बात सुनी। कस्बे में ब्लॉक समिति चेयरपर्सन पूजा इंदौरा व बिजेंद्र नंबरदार के कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के मन की बात सुनी और उनसे प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर कई कार्यकर्ता भी उपस्थित थे। बीजेपी किसान नेता भूपेंद्र खत्री के साथ कार्यकर्ताओं ने भी प्रधानमंत्री के मन की बात सुनी।

जनता महंगाई की मार से पीड़ित : प्रताप शामल

- एसयूसीआई ने मनाया 78वां स्थापना दिवस
- कार्यक्रम की अध्यक्षता कामरेड अनूप सिंह मातनहेल ने की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) ने अपने 78वें स्थापना दिवस पर राज्य स्तरीय जनसभा स्थानीय कृष्ण भवन, दिल्ली बाईपास रोहतक में आयोजित की। जिसकी अध्यक्षता राज्य सचिवमंडल सदस्य किसान नेता कामरेड अनूप सिंह मातनहेल ने की। मुख्यवक्ता एसयूसीआई की केंद्रीय कमेटी सदस्य कामरेड प्रताप शामल एवम वक्ता राज्य सचिव कामरेड राजेन्द्र सिंह थे। जनसभा को संबोधित करते हुए कामरेड प्रताप शामल ने कहा कि केंद्र एवम राज्य सरकारों की पूंजीपतिपरस्त एवम जन विरोधी नीतियों का ही परिणाम है कि मेहनती जनता महंगाई की मार से पीडित हैं। बेरोजगारी बढ़ रही हैं। कर्ज के बोझ तले दबकर किसान मजदूर आत्महत्या करने को मजबूर हैं। ट्रेड यूनियन अधिकारों को श्रम कोड लाकर खत्म कर दिया गया है। स्कीम वर्कर्स को न्यूनतम वेतन नही दिया जा रहा है। हर विरोध कि आवाज को दबाया जा रहा है। उन्होंने कहा जात पात व धर्म के नाम से जनता की एकता को तोड़ने की गंभीर साजिशें चल रही हैं। ऐसी हालत में एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) ही पार्टी के संस्थापक कामरेड शिबदास घोष की सीखों के आधार पर कमेरी जनता के बीच एक नई उम्मीद के रूप में उभर रही है।

टोल टैक्स में वृद्धि की निंदा की

जनसभा अध्यक्ष कामरेड अनूप सिंह ने कहा कि तमाम समस्याओं की जड़ पूंजीवादी व्यवस्था है। तमाम समस्याओं का समाधान समाजवादी क्रांति में निहित है। हरियाणा में अभी हाल में बढ़ाए गई बिजली दरों , टोल टैक्स में की गई वृद्धि की कड़े शब्दों में निंदा की गई। कामरेड अनूप सिंह, राज्य सचिव कामरेड राजेन्द्र सिंह, कामरेड रामफल आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

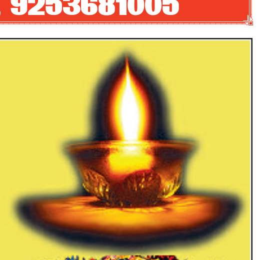

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

प्रदर्शन | 20 मई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल कर की जाएगी आवाज बुलंद

मांगों को लेकर निदेशक कार्यालय पंचकूला पर रोष प्रदर्शन 12 मई को

सार्वजनिक शिक्षा, स्कूल व रोजगार बचाओ कार्यकर्ता कन्वेंशन संपन्न आंदोलन का किया ऐलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा शिक्षा विभाग कर्मचारी तालमेल कमेटी के आह्वान पर सुखपुरा चौक स्थित कर्मचारी भवन में सार्वजनिक शिक्षा, स्कूल व रोजगार बचाओ कार्यकर्ता कन्वेशन का आयोजन किया गया। कार्यकर्ता कन्वेंशन की अध्यक्षता प्रभुसिह प्रधान हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ, दलेल राणा प्रधान हरियाणा राज्य चतुर्थ श्रेणी सरकारी कर्मचारी यूनियन, संदीप सांगवान प्रधान हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से की गई। मुख्य वक्ता शिक्षाविद पूर्व महासचिव सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा सत्यपाल सिवाच ने कहा कि सरकारी स्कूलों में लगातार सरकार की शिक्षा विरोधी नीतियों से गिर रही छात्र संख्या से सेवादार, स्वीपर, चौकीदार, माली, पियन, लिपिक, अध्यापक सहित स्कूल व दफ्तर प्रभावित हो रहे हैं। इसलिए अपनी विभागीय मांगों के साथ-साथ हम सभी को एक मंच पर आकर विभाग बचाने की जरूरत है। अगर विभाग बचेंगे तो ही हमारा रोजगार बचेगा। हरियाणा शिक्षा विभाग कर्मचारी तालमेल कमेटी के अध्यक्ष मण्डल ने आन्दोलन का ऐलान किया। उन्होंने बताया कि आन्दोलन के प्रथम चरण में 2 मई को विभागों मे द्वार सभा कर विभागाध्यक्ष को नोटिस, 12 मई को डारेक्टर दफ्तर पंचकूला पर रोष प्रदर्शन व 20 मई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल कर आवाज बुलंद की जाएगी।

रोहतक। आयोजित मीटिंग को सम्बोधित करते मुख्य वक्ता शिक्षाविद पूर्व महासचिव सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा सत्यपाल सिवाच।

ये हैं प्रमुख मांगें

निजीकरण की नीतियों पर रोक, छटनीग्रस्त की बहाली, राष्ट्रीय शिक्षा निति 2020 पर रोक, सभी खाली पदों पर स्थाई भर्तियां व पदोन्नतियां, वर्कलोड अनुसार नए पद व सेवानियम, नियमितिकरण की निति, चिराग योजना को वापिस लिया जाए, स्कूल मर्जर पर रोक, पुरानी पेंशन बहाली, आनलाईन ट्रांस्फर पॉलिसी समीक्षा कर, विकेन्द्रीयकृत तबादलानिति व तत्काल स्थानांतरण आदि। इस अवसरपर सुखदर्शन सरोहा, निशा, मुकेश खरब, कपिल सिरोही, हितेन्द्र सिहाग, सुमित्रा रेवाड़ी, जयबीर चहल, कृष्ण नैन, संजीव सिंगला, छज्जुराम आदि मौजूद रहे।